

हरदम आवे थारी याद श्याम कीर्तन में लिरिक्स



हरदम आवे थारी याद,
श्याम कीर्तन में।bd।

तर्ज - सज रहे भोले बाबा।

पीळी पगड़ी धोळो चोलो,
धोती चूनड़ वाळी,
श्याम भजन मं ठुमक-ठुमक,
लेता मस्ती मतवाळी,
करता था अँ सं सारी बात,
श्याम कीर्तन मं।bd।

बाळक बूढो नर और नारी,
सँ की बातां सुणता,
जो भी होतो बै को संकट,
श्याम धणी सं कहता,
अँ की भी बिपदा काट,
श्याम कीर्तन मं।bd।

कोई-कोई अरदास इसी थी,
ताबे यो न आतो,
लाग्या रैता भजनां माँई,
जद ताँई न सुणतो,
सुमीरण का था ठाट,
श्याम कीर्तन मं।bd।

भजनां री मस्ती बाबाजी,
जो थारै संग लेली,
लाख चेष्टा करणै पर भी,
सुरतां फिरै अकेली,
मिलवाद्यो म्हारा तार,
श्याम कीर्तन मं।bd।



हरदम आवे थारी याद,
श्याम कीर्तन में।bd।

Singer – Sri Sajjan Ji Singhania, Kolkata
Upload By – Vivek Agarwal
